# इकाई 02 || Unit 02

## ब्रह्मांड व पृथ्वी की उत्पत्ति || Origin of Universe and Earth

**C6C3**

पृथ्वी की गतियां || Motion of Earth

**C6C4 & C11C2 (PW)**

मानचित्र || Map

**C6C2 & C11C3 (PW)**

ग्लोब : अक्षांश एवं देशांतर || Globe :- Latitude and Longitude

**C11C1 (PG)**

भूगोल एक विषय के रूप में || Geography as a Discipline

**C6C1**

सौरमंडल में पृथ्वी || The Earth in Solar System

**C11C2 (PG)**

पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास || Origin and Evolution of the Earth

# अध्याय || Chapter :- 2.1

# भूगोल एक विषय के रूप में || Geography as a Discipline -C11C1 (PG)

01

1) भूगोल का परिचय || An Introduction of Geography

02

2) भूगोल अध्ययन के उपागम || Approaches to Study the Geography

03

3) भूगोल की शाखाएं || Branches of Geography

04

4) Reading for Main Examination

SG

# SHAPE OF THE EARTH

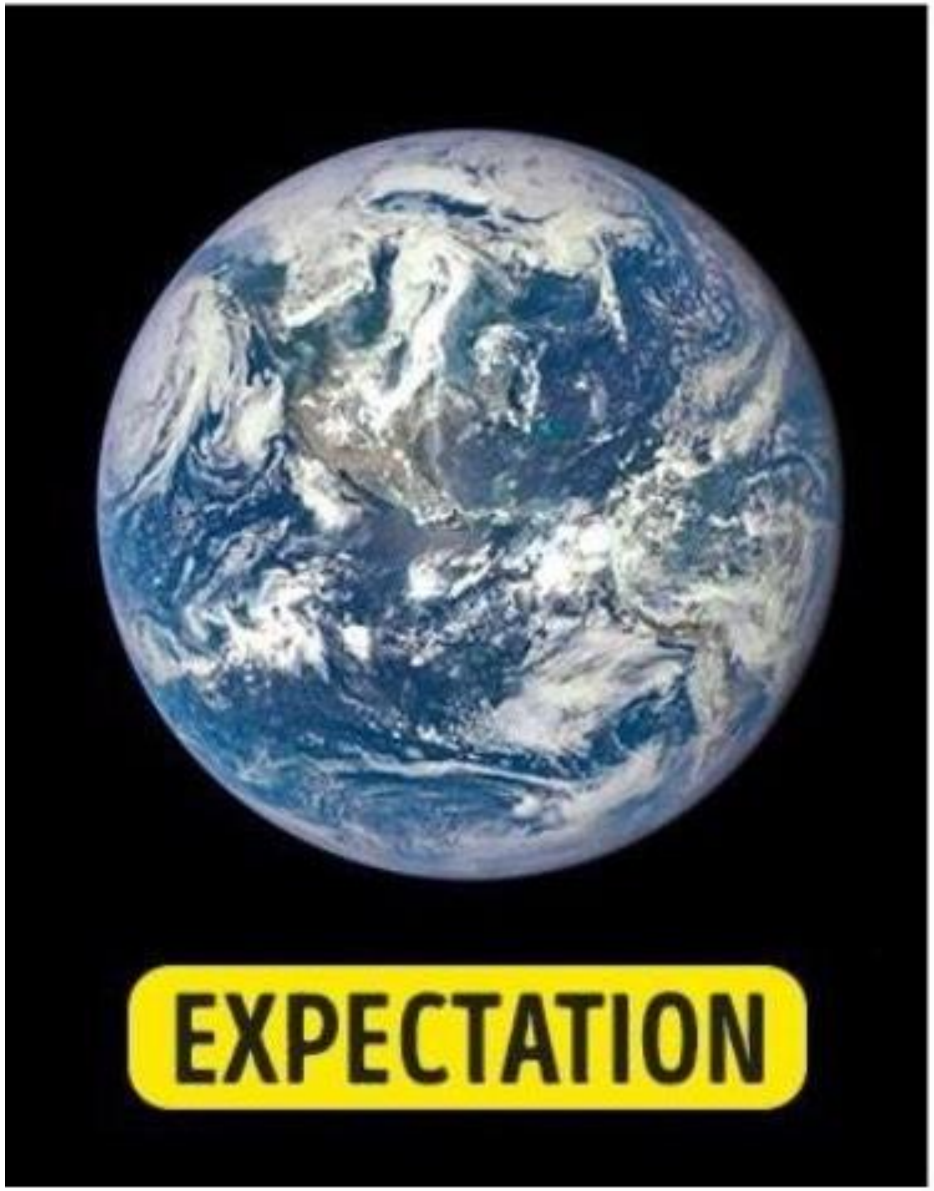


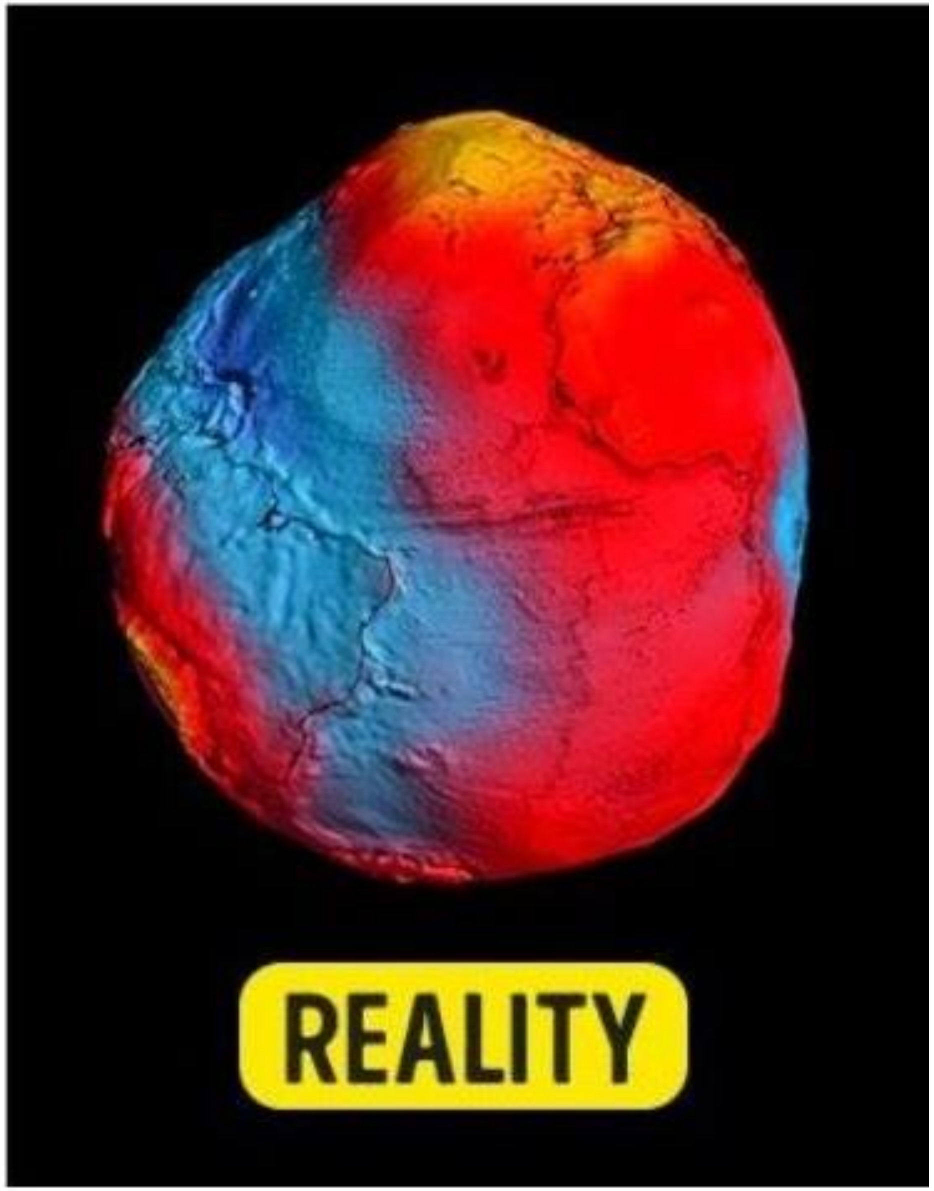

# 1) भूगोल का परिचय || An Introduction of Geography

**1) भूगोल (Geography) :-** भू + गोल - गोल पृथ्वी

2) भूगोल (Geography) ⟶ ग्रीक शब्द || Greek word

Geo → पृथ्वी

Graphos → वर्णन

**"पृथ्वी का वर्णन" || "Description of earth"**

1. आंतरिक (Internal) - भूगर्भ शास्त्र || Geology
2. सतह (Surface)
   - भू आकृति विज्ञान || Geomorphology
   - समुद्र विज्ञान || Oceanography
3. आवरण (Surrounding)
   - वायुमंडल || Atmosphere
   - ब्रह्मांड || Universe

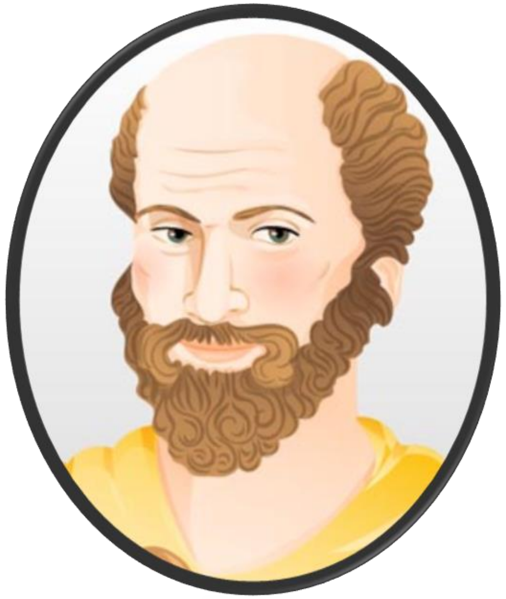

The term geography was first coined by Eratosthenese, a Greek scholar (276-194 BC.) || भूगोल शब्द सबसे पहले ग्रीक विद्वान (276-194 ईसा पूर्व) एरेटोस्थेनेज द्वारा गढ़ा गया था।

**3) Definition :-** मानव के निवास के रूप में पृथ्वी का वर्णन या अध्ययन || Study of Earth as the abode of man

We now find **humanised nature** and **naturalised human** beings and geography studies this interactive relationship|| इस प्रकार हमें मानवीकृत प्रकृति तथा प्रकृति प्रभावित मानव के दर्शन होते हैं। भूगोल इसी अंतर्प्रक्रियात्मक संबंध का अध्ययन करता है।

**You created the soil, I created the cup, you created night, I created the lamp. You created wilderness, hilly terrains and deserts; I created flower beds and gardens.**

**(From 'A Dialogue Between God and Man' by Muhammad Iqbal)**

तुमने मिट्टी बनाई, मैंने प्याला बनाया,
तुमने रात बनाई, मैंने दीया बनाया।
तुमने जंगल, पहाड़ी इलाके और रेगिस्तान बनाए; मैंने फूलों की क्यारियां और बगीचे बनाए।

(मुहम्मद इकबाल द्वारा लिखित 'ए डायलॉग बिटवीन गॉड एंड मैन' से)

# 2) भूगोल अध्ययन के उपागम || Approaches to study Geography

**विषय वस्तुगत (क्रमबद्ध) (Systematic)**

**प्रवर्तक :** अलेक्जेंडर बॉन हम्बोल्ट(जर्मनी)

**Originator :** Alexander von Humboldt (Germany)

एक विशिष्ट तथ्य का विश्वस्तरीय अध्ययन, उदाहरण - भौतिक भूगोल आदि || A phenomenon is studied world over as a whole, and then the identification of typologies , e.g. physical geography

**प्रादेशिक उपागम (Regional)**

**प्रवर्तक :** कार्ल रिटर(जर्मन)

**Originator :** Carl Ritter (German)

एक प्रदेश (प्राकृतिक, राजनीतिक या नामित) विशेष के सभी भूगौलिक तथ्यों का अध्ययन || Study of all the geographical facts of a particular region (natural, political or designated)

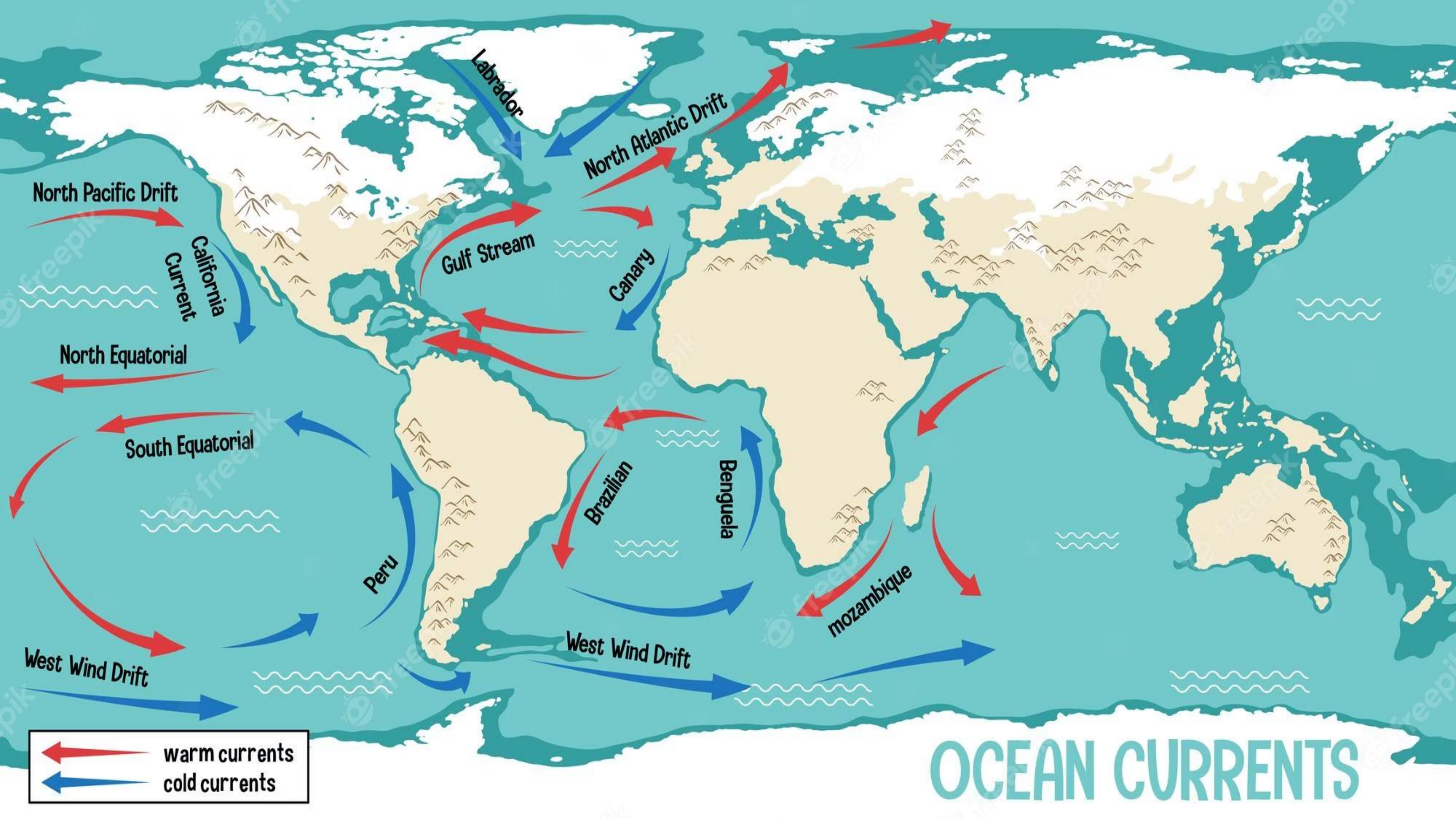
OCEAN CURRENTS
Labrador
North Atlantic Drift
North Pacific Drift
California Current
Gulf Stream
Canary
North Equatorial
South Equatorial
Brazilian
Benguela
Peru
mozambique
West Wind Drift
West Wind Drift
warm currents
cold currents

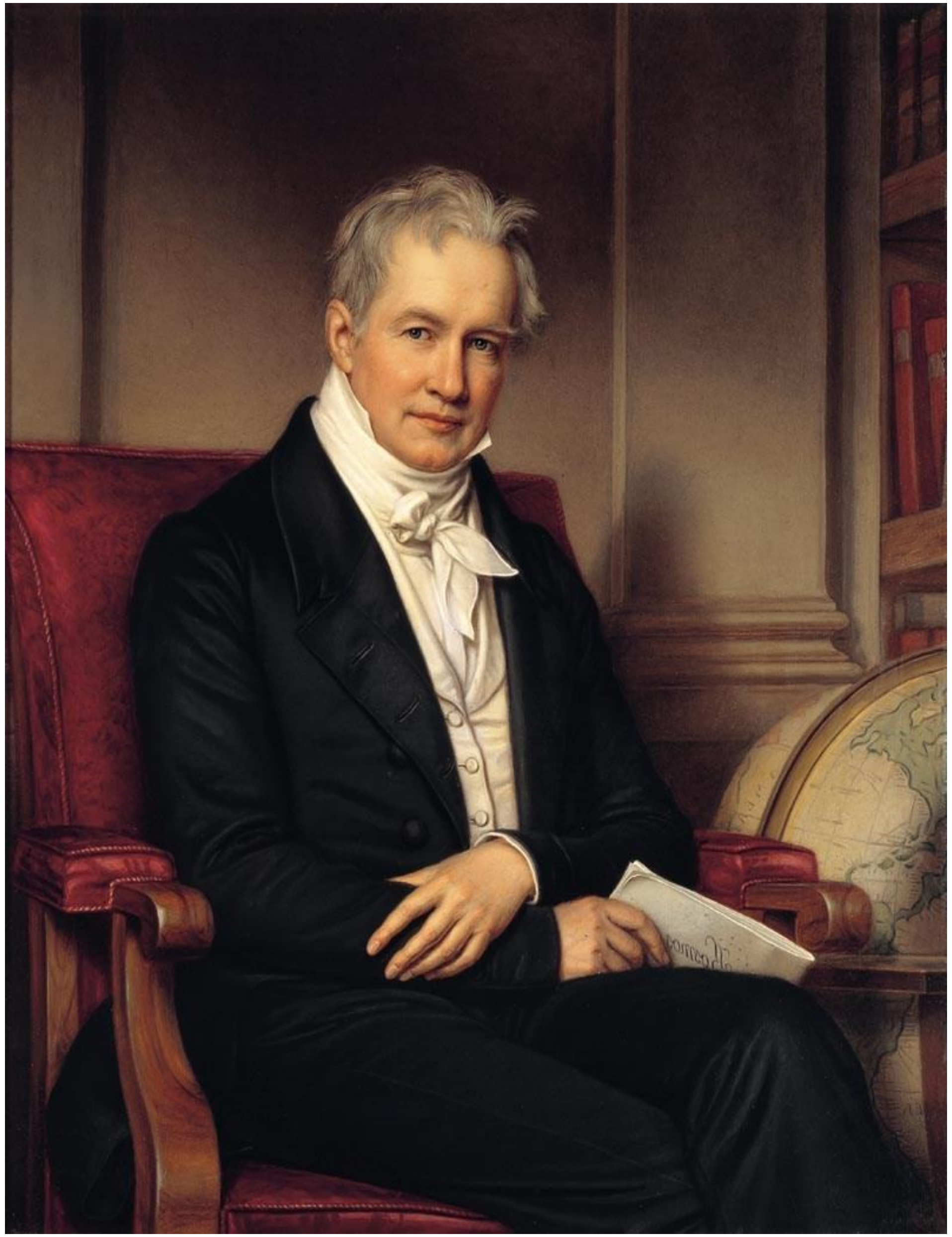

Interdisciplinary subject ||

अंतःविषय विषय :-

Reality is always multifaceted/multidimensional so the subject ||

यथार्थता हमेशा बहुआयामी होती है, ठीक इसी तरह भूगोल भी बहुआयामी है

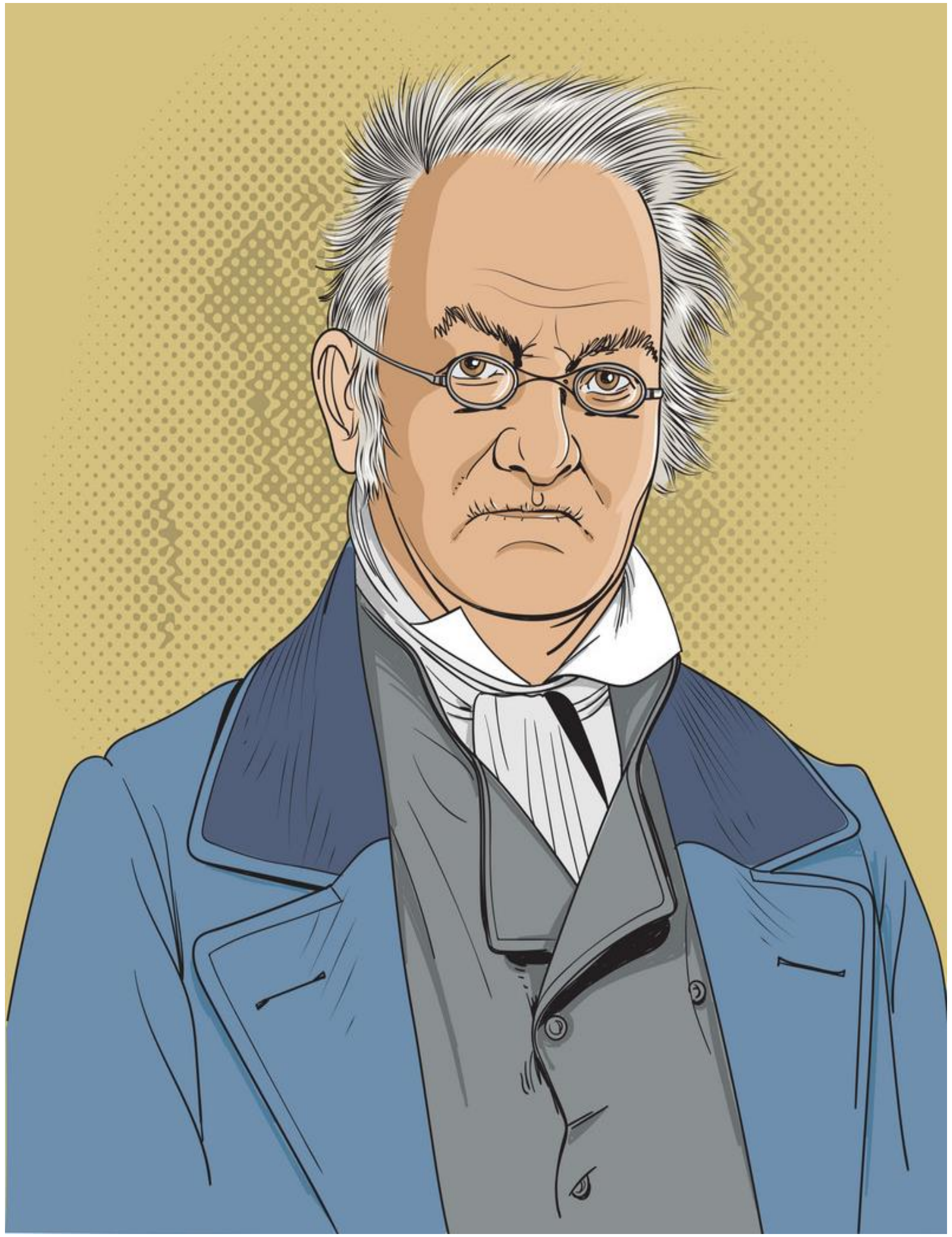

अलेक्जेंडर बॉन हम्बोल्ट (जर्मनी)

कार्ल रिटर (जर्मन)

# 3) भूगोल की मुख्य शाखाएं || Major branches of geography (क्रमबद्ध अध्ययन के आधार पर || Based on systematic study)

## 1) भौतिक भूगोल || Physical geography

- भू आकृति विज्ञान || Geomorphology
- जलवायु विज्ञान || Climatology
- जल विज्ञान || Hydrology
- मृदा विज्ञान || Soil Science

## 2) मानव भूगोल || Human Geography

- सांस्कृतिक / सामाजिक भूगोल || Cultural / Social Geography
- जनसंख्या व अधिवास || Population & Settlement
- आर्थिक भूगोल || Economic geography

## 3) जीव भूगोल || Biogeography

- जीव भूगोल || Biogeography
- वनस्पति भूगोल || Plant
- पारिस्थितिक भूगोल || Ecological geography
- पर्यावरण भूगोल || Environmental

## अन्य || Other

- Geographic Information System (GIS)
- Global Positioning System (GPS)
- Land Information System (LIS)

# 3.1) भौतिक भूगोल || Physical Geography

1) **Geomorphology || भू-आकृति विज्ञान :-** यह भू-आकृतियों, उनके क्रम विकास एवं संबंधित प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है। || the study of landforms, their evolution and related processes.
2) **Climatology || जलवायु विज्ञान :-** इसके अंतर्गत वायुमंडलकी संरचना, मौसम तथा जलवायु के तत्त्व, जलवायु के प्रकार तथा जलवायु प्रदेश का अध्ययन किया जाता है || The study of structure of atmosphere and elements of weather and climates and climatic types and regions.
3) **Hydrology || जल-विज्ञान :-** यह धरातल के जल परिमंडल जिसमें समुद्र, नदी, झील तथा अन्य जलाशय सम्मिलित हैं तथा उसका मानव सहित विभिन्न प्रकार के जीवों एवं उनके कार्यों पर प्रभाव का अध्ययन है। || Studies the realm of water over the surface of the earth including oceans, lakes, rivers and other water bodies and its effect on different life forms including human life and their activities.
4) **Soil Geography || मृदा भूगोल :-** यह मिट्टी निर्माण की प्रक्रियाओं, मिट्टी के प्रकार, उनका उत्पादकता स्तर, वितरण एवं उपयोग आदि के अध्ययन से संबंधित है। || is devoted to study the processes of soil formation, soil types, their fertility status, distribution and use.

# 3.2) मानव भूगोल || Human Geography

1) **Social/Cultural Geography || सामाजिक/सांस्कृतिक भूगोल :-** इसके अंतर्गत समाज तथा समाज के योगदान से निर्मित सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन || The study of society and cultural elements contributed by society.

2) **Population and Settlement Geography || जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल :-** यह ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि, उसका वितरण, घनत्व, लिंग अनुपात प्रवास एवं व्यावसायिक संरचना आदि का अध्ययन करता है जबकि अधिवास भूगोल में ग्रामीण तथा नगरीय अधिवासों के वितरण प्रारूप तथा अन्य विशेषताओं का अध्ययन किया जाता है। || It studies population growth, distribution, density, sex ratio, migration and occupational structure etc. Settlement geography studies the characteristics of rural and urban settlements.

3) **Economic Geography || आर्थिक भूगोल :-** यह मानव की आर्थिक क्रियाओं, जैसे- कृषि, उद्योग, पर्यटन, व्यापार एवं परिवहन, अवस्थापना तत्त्व एवं सेवाओं का अध्ययन है। || Studies economic activities of the people including agriculture, industry, tourism, trade, and transport, infrastructure and services, etc.

# 3.3) जीव-भूगोल || Biogeography

1) **Environmental Geography || पर्यावरण भूगोल :** पर्यावरणीय समस्याओं, जैसे-भूमि-ह्रास, प्रदूषण, संरक्षण की चिंता आदि के अध्ययन हेतु || Studies environmental problems such as land gradation, pollution

2) **Ecology /Ecosystem || पारिस्थैतिक विज्ञान :** इसमें प्रजातियों (Species) के निवास क्षेत्र का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। || Deals with the scientific study of the habitats. characteristic of species.

3) **Plant Geography || जीव-भूगोल :** पशुओं एवं उनके निवास क्षेत्र के भौगोलिक विशेषताओं का अध्ययन || Studies the spatial pattern of natural vegetation in their habitats.

4) **Zoo Geography || वनस्पति भूगोल :** यह प्राकृतिक वनस्पति का उसके निवास क्षेत्र (Habitat) में स्थानिक प्रारूप का अध्ययन करता है। || which studies the spatial patterns and geographic characteristics of animals and their habitats.

| | |
|---|---|
| **भूगणित \|\| Geodesy** | मापनों एवं प्रेक्षणों के आधार पर पृथ्वी का आकार एवं आकृति, गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र तथा भूपृष्ठ के बहुत बड़े क्षेत्रों का क्षेत्रफल आदि निर्धारित किये जाते हैं।\|\| Geodesy is the science of accurately measuring and understanding three fundamental properties of the Earth: its **geometric shape, its orientation in space, and its gravity field** |

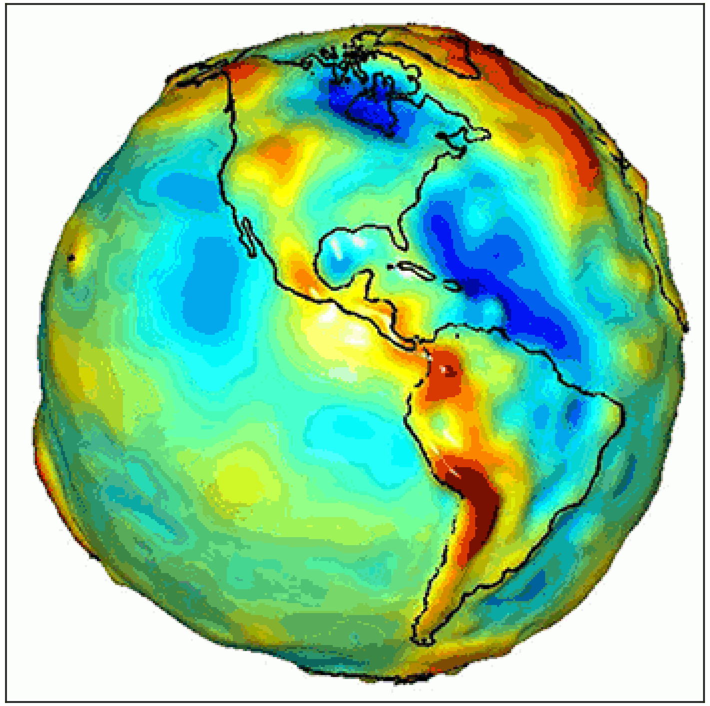

# 4) Reading for Main Examination

हम निर्वाह के लिए अपने आस-पास के संसाधनों पर निर्भर करते हैं। आदिम समाज अपने भरण-पोषण के लिए प्राकृतिक निर्वाह-संसाधनों, जैसे पशुओं एवं खाद्य पौधों पर आश्रित था। समय बीतने के साथ हमने तकनीकों का विकास किया तथा प्राकृतिक संसाधनों, यथा भूमि, मृदा, जल का उपयोग करते हुए अपना आहार उत्पादन प्रारंभ किया। हमने अपने भोजन की आदतों एवं वस्त्र को मौसमी दशाओं के अनुरूप समायोजित किया। ध्यातव्य है कि प्राकृतिक संसाधन आधार, तकनीकी विकास, भौतिक

Our lives are affected by our surroundings in many ways. We depend on the resources to sustain ourselves in the surrounding areas. Primitive societies subsisted on 'natural means of subsistence', i.e. edible plants and animals. With the passage of time, we developed technologies and started producing our food using natural resources such as land, soil and water. We adjusted our food habits and clothing according to the prevailing weather conditions. There are variations in the natural

**Reality is always multifaceted/multidimensional so the subject || यथार्थता हमेशा बहुआयामी होती है, ठीक इसी तरह भूगोल भी बहुआयामी है**

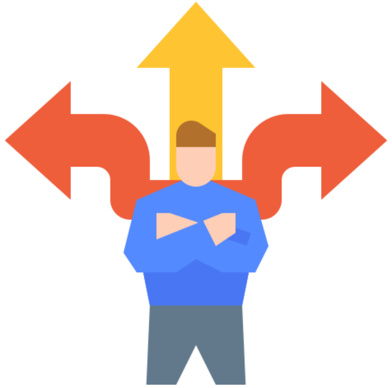

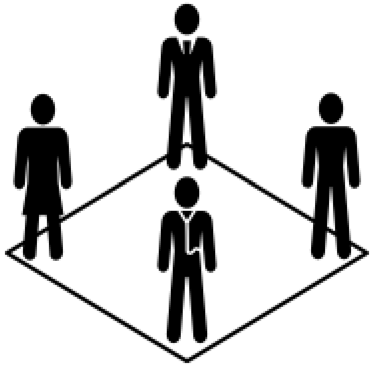

पूर्वानुमान एवं भविष्य के परिप्रेक्ष्य में देखने की क्षमता भी रखता है। भौतिक तथा मानवीय दोनों प्रकार के भौगोलिक तथ्य स्थैतिक नहीं, अपितु गत्यात्मक होते हैं। वे सतत् परिवर्तनशील पृथ्वी तथा अथक एवं निरंतर सक्रिय मानव के बीच आबद्ध प्रक्रियाओं के फलस्वरूप कालांतर में परिवर्तित होते रहते हैं। आदिम मानव समाज अपने निकटतम पर्यावरण पर सीधे तौर पर निर्भर करता था; अब ऐसा नहीं है। भूगोल, इस प्रकार, 'प्रकृति' तथा 'मानव' के समग्र इकाई के रूप में अंतर्प्रक्रिया के अध्ययन से संबंधित है। मानव प्रकृति का एक अंगभूत भाग है तथा वह प्रकृति पर अपनी छाप छोड़ता है। प्रकृति मानव जीवन के विभिन्न पक्षों को प्रभावित करती है। इसकी छाप उसके वस्त्र, आवास, व्यवसाय आदि पर देखी जा सकती है। मानव ने प्रकृति के साथ समझौता, अनुकूलन (Adaptation) अथवा आपरिवर्तन (Modification) के माध्यम से किया है। जैसा कि

The geographical phenomena, both the **physical and human, are not static but highly dynamic**. They change over time as a result of the interactive processes between ever changing earth and untiring and ever-active human beings. Primitive human societies were directly dependent on their immediate environment. Geography, thus, is concerned with the study of Nature and Human interactions as an integrated whole. '

**'Human' is an integral part of 'nature' and 'nature' has the imprints of 'human'**. 'Nature' has influenced different aspects of human life. Its imprints can be noticed on food, clothing, shelter and occupation. **Human beings have come to terms with nature through adaptation and modification.**

जैसा कि आप जानते ही हैं कि वर्तमान समाज आदिम समाज की अवस्था पार कर चुका है। उसने तकनीकी के खोज एवं प्रयोग द्वारा अपने अस्तित्व के लिए सन्निकट परिवेश (प्राकृतिक वातावरण) को आपरिवर्तित कर प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए अपने कार्य क्षेत्र के क्षितिज में परिवर्द्धन कर लिया है। तकनीकी के क्रमशः विकास के साथ मानव अपने ऊपर भौतिक पर्यावरण के द्वारा कसे हुए बंधन को ढीला करने में सक्षम हो गया है। तकनीकी ने श्रम की कठोरता को कम कर, श्रम-क्षमता को बढ़ाया तथा अवकाश का प्रावधान करते हुए मानव को उच्चतर आवश्यकताओं को पूर्ण करने का अवसर दिया। उससे उत्पादन के पैमाने एवं श्रम की गतिशीलता में भी वृद्धि हुई।

As you already know, the present society has passed the stage of primitive societies, which were directly dependent on their immediate physical environment for sustenance. Present societies have modified their natural environment by inventing and using technology and thus, have expanded the horizon of their operation by appropriating and utilising the resources provided by nature. With the gradual development of technology, human beings were able to loosen the shackles of their physical environment. Technology helped in reducing the harshness of labour, increased labour efficiency and provided leisure to human beings to attend to the higher needs of life. It also increased the scale of production and the mobility of labour.